सचिव. उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में.

निदेशक. सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, देहरादून।

समाज (सैनिक) कल्याण अनुभाग-3 देहरादून

दिनांक 🏌 जून, 2010

विषय:-विभिन्न युद्धों एवं सीमान्त झड़पों में शहीद हुये सैनिकों के आश्रितों / युद्ध अपंग सेवा मुक्त सैनिकों की आवासीय सहायता में वृद्धि किये जाने के संबंध

महोदय.

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्रांक संख्या:-3012 / कल्याण / प्रगति दिनांक 04 नवम्बर, 2009 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विभिन्न युद्धों एवं सीमान्त झड़पों में शहीद हुये सैनिकों के आश्रितों / युद्ध अपंग सेवामुक्त हुये सैनिकों को देय 'आवासीय सहायता' की धनराशि निम्न तालिका के अनुसार अधोवर्णित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन बढाये जाने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जाती है:-

क्रमांक	पूर्व में देय सहायता / लामार्थियों	
	की संख्या	सहायता / लाभार्थियों की संख्या
1		1,00,000/— प्रति लाभार्थी एवं प्रतिवर्ष प्रस्तावित लाभार्थियों की संख्या—10

उक्त वृद्धि तत्काल प्रभाव से लागू मानी जायेगी, पूर्व में स्वीकृत लाभार्थियों को किसी 1. प्रकार की अतिरिक्त सहायता अनुमन्य नहीं होगी।

समस्त जिला सैनिक कल्याण अधिकारियों से लाभार्थियों की सूची प्राप्त कर 2. नियमानुसार वरीयता सूची निर्मित कर सहायता प्रदान की जायेगी, जिसका विवरण शासन को भी उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

यह भी सुनिश्चत किया जायेगा कि लाभार्थी ने राज्य सरकार अथवा भारत सरकार 3. द्वारा प्रदत्त किसी अन्य योजना से इस हेतु पूर्व में सहायता न प्राप्त की हो।

इस मद में यथावश्यकता अतिरिक्त धनराशि का प्रस्ताव निदेशालय द्वारा विभिन्न 4. बचतों से नियमानुसार पुनर्विनियोग का प्रस्ताव उपलब्ध कराया जायेगा।

शेष शर्ते एवं प्राविधान शासनादेश:-429/XVII(2)/2006-09(42)/2007 दिनांक 05 5. दिसम्बर, 2007 के अनुसार ही लागू रहेंगे।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या:-164(P)/XVII-3/2010 दिनांक 6. 09 जून, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

> भवदीय, (ओॅम प्रकाश) सचिव।

पृष्ठांकन संख्याः २८८ (1)/ XVII-3 / 10-09(42) / 07तद्दिनांकित । प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. प्रमुख सचिव-मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।

- 2. निजी सचिव-मा० सैनिक कल्याण मंत्री उत्तराखण्ड शासन।
- 3. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 4. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 4. मण्डलायुक्त, गढवाल, उत्तराखण्ड।
- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड। अनु क्रम् क्रम् व्यापालका अनिक्रिकारी
- 6. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
- ८ राष्ट्रीय सूचना विभाग केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
  - 9. समस्त ज़िला सैनिक कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।

11. आदेश पंजिका।

क्षांक पूर्व में देव शहासका / कामादिवाँ व्याप्त प्रदेश की संस्था १ 25,000 /- प्रति सम्मादी एवं 1,00,000 /- प्रति सम्मादी एवं कुछ सम्मादियों की संख्या-30 प्रतिवर्ध प्रस्मादिव सम्मादियों की

वीनकों को देव 'आवासीच सहायता' की घनपांच जिल्ला लाहिका से अनुसार अधोविंगत रातो

उन्ता वृद्धि सद्यास प्रमान से लागू मानी जायेगी, पूर्व ने स्वीकृत लागाविया को किसे स्कार की जातिरोवत सहायता अनुसन्य नहीं होगी।

ागरत जिल्ला सैनिक कल्याण अधिकारियों से लालाधियों की सूची प्राप्त क न्यमानुसार वरीयता सूची निर्मित कर सहायता प्रयान की जायेगी, जिल्लाका विवरण

हा भी सुनिस्तत किया सार्वना कि लामायों ने सच्या सरकार अथवा मारत सरकार

हुल गव में वासीयश्वकता आतिरियल चनसीयों का प्रस्ताय विश्वसालय द्वारा विभिन्न स्वतों से नियमानुसार मुनविनियोग का प्रस्ताय व्यवस्था कराया जावेगा।

दिसम्बर, २००४ के अनुसार ही सागू रहेगे।

यह आदरा विकास समाग के अधासकाय पत्र सक्या—164(P) X XVI 09 जून, 2010 में प्राप्त कनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

when arted

सर्वित

10000